web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 28 अक्टूबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 32

महत्वपूर्ण एवं खास

फेसबुक दोस्ती का काला खेल : उदयपुर में सीआई से 20 लाख ऐंठने वाली महिला गिरफ्तार

उदयपुर (आरएनएस)। सवीना थाने की पुलिस ने डूंगरपुर में तैनात एक पुलिस इंस्पेक्टर को ब्लैकमेल करने के आरोप में नीलम राठौड़ नामक महिला को गिरफ्तार किया है। मामला एक फेसबुक दोस्ती से शुरू हुआ, जो बाद में ब्लैकमेल और भारी रकम ऐंठने तक जा पहुंचा।सूत्रों के अनुसार, 2016 में फेसबुक पर थानाधिकारी की मुलाकात नीलम राठौड़ से हुई थी। सोशल मीडिया पर नंबर साझा करने के बाद बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। 2018 में नीलम ने पहली बार थाने में आकर उनसे मुलाकात की। धीरे-धीरे मुलाकातें बढऩे लगीं, और दिसंबर 2021 में वह उनसे मिलने मंगलवाड़ पहुंची, जहां उसने भावनात्मक रूप से थानाधिकारी को प्रभावित कर लिया और संबंध बनाए। थानाधिकारी की रिपोर्ट के मुताबिक, नीलम ने संबंध स्थापित करने के बाद उनसे लगातार पैसों की मांग की और इनकार करने पर दुष्कर्म का आरोप लगाकर बदनाम करने की धमकी देने लगी। थानाधिकारी के अनुसार, महिला अब तक उनसे लगभग 20 लाख रुपये ऐंठ चुकी है और कार, मकान दिलवाने के साथ-साथ पत्नी-बच्चों को छोडऩेका दबाव भी बना रही थी।

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर भगदड़, 10 यात्री घायल, 2 की हालत गंभीर

मुंबई (आरएनएस)। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 10 यात्री घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना देर रात दो बजे हुई। मुंबई से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन जब प्लेटफार्म पर पहुंची तो ट्रेन में चढऩे की जल्दबाजी में भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में कई यात्री जख्मी हो गए। इन सभी यात्रियों को इलाज के लिए भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।त्योहार के समय पर भारतीय रेल में भीड़ होना आम बात है। ऐसे में अक्सर हादसे की आशंका बनी रहती है। मुंबई में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में दीपावली के मौके पर अपने घर आते हैं। इनमें अधिकतर लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के होते हैं। इसी वजह से गोरखपुर जा रही ट्रेन में चढऩे के लिए भगदड़ मची, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

त्रिपुरा में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले 12 और बांग्लादेशी हिरासत में

अगरतला (आरएनएस)। अराजकता और हिंसा प्रभावित बांग्लादेश से घुसपैठ थमने का नाम नहीं ले रही है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को त्रिपुरा में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में 12 और बांग्लादेशी नागरिकों और एक बच्चे को गिरफ्तार किया। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि अगरतला रेलवे स्टेशन के पास एक मोबाइल चेक पोस्ट बनाया गया था और नौ बांग्लादेशी नागरिकों को भी हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान बांग्लादेशी नागरिकों ने बताया कि वे भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए कोलकाता जाने की योजना बना रहे थे। प्रवक्ता के अनुसार, एक अलग अभियान में, दक्षिण त्रिपुरा में बेलोनिया के बीएसएफ जवानों ने मुहुरी नदी के किनारे चार महिलाओं और दो बच्चों को हिरासत में लिया, जो दोनों देशों को विभाजित करने वाली भारत-बांग्लादेश सीमा से होकर गुजरती है। हिरासत में लिए गए चार लोगों में से तीन महिलाएं और एक बच्चा बांग्लादेशी हैं और एक महिला और एक बच्चा भारतीय हैं।

आइजोल से स्थानांतरित होगा असम राइफल्स का मुख्यालय

आइजोल (आरएनएस)। साढ़े तीन दशक से अधिक पुराने एक मुद्दे को सुलझाते हुए मिजोरम सरकार और असम राइफल्स ने एक मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अब अर्धसैनिक बल का बटालियन मुख्यालय आइजोल से जोखावसांग में स्थानांतरित हो जाएगा जो राज्य की राजधानी से लगभग 15 किलोमीटर दूर है। दिल्ली से लौटे मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि एमओए पर हस्ताक्षर 23 अक्टूबर को राष्ट्रीय राजधानी स्थित मिजोरम हाउस में हुए। असम राइफल्स बटालियन मुख्यालय को आइजोल के मध्य से जोखावसांग में स्थानांतरित करने की मांग सबसे पहले 1988 में पूर्व मुख्यमंत्री लालडेंगा के नेतृत्व वाली तत्कालीन मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) सरकार ने उठाई थी, जब अर्धसैनिक बल पर हिंसक झड़प में 11 नागरिकों को मार डालने का आरोप लगा था।

प्रधानमंत्री मोदी 29 अक्टूबर को वर्चुअली करेंगे सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सिम्स का लोकार्पण

24 माह में तैयार होगा 100 बिस्तरों का केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान

- केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (CRIYN) का शिलान्यास
- 200 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ है सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सिम्स, 240 बिस्तरों का है अस्पताल
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल रायपुर में रहेंगे उपस्थित

रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय छत्तीसगढ़ के चतुर्मुखी विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं

में विस्तार मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि कार्य हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के पहले डिटिजल बजट में भी राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के सुदृढिकरण की बडी झलक दिखी थी जो वास्तविकता का रूप लेती जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए प्रयोग और राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों को खोलने के लिए केंद्रीय स्तर पर लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी क्रम में 29 अक्टूबर को राज्य के बिलासपुर में 200 करोड़ रूपए की लागत से तैयार सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल सिम्स का लोकार्पण होने जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वचुअल माध्यम से इस अस्पताल का लोकार्पण करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी उपस्थित रहेंगे। यह अस्पताल तीन चरणों में प्रारंभ होगा। पहले चरण में ओपीडी, दूसरे चरण में वार्ड और आईसीसीयू, डायलिसिस यूनिट व लैब तीसरे चरण में कैथ लैब, ओटी, हार्ट व लंब की मशीनें शुरू होंगी और चौथे चरण में अस्पताल पूरी तरह से काम करने लगेगा। बिलासपुर में इस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के शुरू हो जाने से सरगुजा और बिलासपुर संभाग के मरीजों को रायपुर आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें पास में ही इलाज की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी।

इसी तरह से 29 अक्टूबर को ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से रायपुर में 100 बिस्तरों वाले केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (CRIYN) का शिलान्यास करेंगे। इस बारे में जानकारी देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया है कि 90 करोड़ रूपए की लागत से इस संस्थान का निर्माण 24 माह में पूरा होगा। राज्य सरकार ने इस संस्थान के लिए 10 एकड़ की भूमि आयुष विभाग को उपलब्ध करा दी है। यह छत्तीसगढ़ का पहला योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान केंद्र और अस्पताल होगा जो गैर संचारी रोगों के उपचार की सुविधा प्रदान करेगा। केंद्र में वेलनेस थिरेपी में प्रशिक्षण प्रमाणन पाठ्यक्रम और अनुसंधान में फेलोशिप पाठ्यक्रम का भी संचालन होगा। इस संस्थान के शुरू होने से योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रभावों के बारे में नए ज्ञान और अंतदृष्टि का विकास होगा।

केंद्र सरकार का बड़ा कदम : हेलमेट बनाने वाली 162 कंपनियों के लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली । आरएनएस

सडक़ सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है, जिसमें टू-व्हीलर्स के लिए हेलमेट के मानकों को सख्त किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जानकारी दी कि अब तक 162 हेलमेट निर्माताओं के लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं, जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे।

सरकारी अधिकारियों ने इस कार्रवाई को सडक़ सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, खासकर बाजार में घटिया सुरक्षात्मक उपकरणों की बढ़ती संख्या को देखते हुए। मंत्रालय के सचिव निधि खरे ने कहा, हेलमेट जीवन बचाते हैं, लेकिन केवल तब जब उनकी गुणवत्ता उच्च हो।

जून 2021 में सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लागू किए गए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत, सभी हेलमेट के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है। इस आदेश के तहत, अधिकारियों ने हाल ही में 27 छापे भी मारे हैं, जिनमें बिना प्रमाणिकता वाले हेलमेट बेचने वाले विक्रेताओं को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है।

उपभोक्ता अब बीआईएस केयर ऐप या वेबसाइट के माध्यम से हेलमेट निर्माताओं की साख की जांच कर सकते हैं। जिला अधिकारियों को पुलिस और बीआईएस अधिकारियों के साथ मिलकर उल्लंघनों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान मौजूदा सडक़ सुरक्षा पहलों के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे आने वाले दिनों में और भी योजना बनाई जा रही है।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, 3 बारूदी सुरंगों का पता चला; राजौरी में बढ़ाई गई सुरक्षा

पुंछ । आरएनएस

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इस ठिकाने से दो हथगोले और तीन बारूदी सुरंगें बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई मेंढर उपविभाग के बलनोई सेक्टर में तलाशी अभियान के दौरान की गई।

इस बीच, सीमावर्ती जिले राजौरी में आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रणदीप कुमार की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में आतंकवादियों पर नजर रखने और उनकी गतिविधियों को नाकाम करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की गई।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ रोधी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। बीएसएफ के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं, लेकिन सुरक्षाबल पूरी तरह से तैयार हैं और किसी भी घुसपैठ के प्रयास को नाकाम कर देंगे।

पुंछ के मनकोट सेक्टर में गश्त के दौरान सेना को एक जंग लगा मोर्टार का गोला मिला, जिसे बाद में विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से नष्ट कर दिया गया। सुरक्षा बलों की इन कार्रवाइयों से क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी जीत मिली है।

श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े 12 भारतीय मछुआरे

चेन्नई । आरएनएस

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के निकट अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास नेदुनथीवु इलाके के पास 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। इन मछुआरों पर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार कर श्रीलंकाई इलाके में प्रवेश करने का आरोप है। यह मछुआरे तमिलनाडु के रहने वाले हैं।

तमिलनाडु प्रदेश के मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया, मछुआरों को रविवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए श्रीलंकाई नौसैनिक शिविर ले जाया गया है।

श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े गए इन मछुआरों की मोटर नाव और मछली पकडऩे का साजो सामान भी जब्त कर लिया है। इसी साल 16 जून से अब तक श्रीलंकाई नौसेना ने सिर्फ तमिलनाडु के 425 मछुआरों को पकड़ा है और 58 नावों को जब्त किया है।

पकड़े गए मछुआरों में लगभग 110 मछुआरे अभी भी श्रीलंका की हिरासत में हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को भी श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम से 16 तमिल मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन हुए थे।

इसके बाद मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर को पत्र लिखकर इस मामले में उनसे हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु के मछुआरों के नेता के.एम. पलानीअप्पन ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, रविवार को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 12 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी बेहद निंदनीय है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार कार्रवाई करे, क्योंकि हमारे लोग समुद्र में मछली पकडऩे से डरने लगे हैं।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई के लिए केंद्र पर दबाव डालने का भी आग्रह किया।

तमिलनाडु में डीएमके, एआईएडीएमके और पीएमके सहित राजनीतिक दल श्रीलंकाई नौसेना की कार्रवाई के कारण तमिल मछुआरों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में चिंता जताते रहे हैं।

ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 1 अगस्त, 2023 को भी एक दुखद घटना तब घटी थी, जब श्रीलंकाई नौसेना की एक नाव कथित तौर पर एक मछली पकडऩे वाली नाव से टकरा गई। इस टक्कर से मछली पकडऩे वाली नाव पलट गई। इसमें एक मछुआरे, मलाइसामी (59) डूब कर मौत हो गई, जबकि दूसरा, रामचंद्रन (64) लापता हो गया। नाव पर सवार दो अन्य मछुआरे, मूकिया (51) और मुथु मुनियांदी (52) को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन बाद में उन्हें भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया।

छठ पर भीड़ नियंत्रण के लिए रेलवे मंडल की तैयारी, करीब 75 जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलेंगी

समस्तीपुर । आरएनएस

उत्तर भारत के बड़े त्योहारों में शामिल दीपावली और छठ की तैयारी जोरों-शोरों से चल रही है। इस दौरान लोगों के अपने घर जाने के दौरान रेल मार्ग का प्रयोग बहुत ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए दीपावली और छठ पर भीड़ नियंत्रण करने के लिए रेलवे मंडल भी विशेष तैयारी कर रहा है।

बिहार में दीपावली और छठ पर होने वाली संभावित भीड़ के नियंत्रण के लिए रेलवे मंडल प्रशासन ने तैयारी कर ली है। रेलवे मंडल में रेलवे लाइन के किनारे 100 से अधिक स्थानों पर छठ घाट रहने के कारण अर्घ्य वाले दिन रेलवे मंडल के सभी रेलवे खंड पर 30 किलोमीटर की स्पीड में कॉशन पर ट्रेन चलाई जाएगी। इसके लिए सभी स्टेशन मास्टर, ट्रेन के गार्ड व चालक को निर्देश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही जिस खंड पर रेलवे लाइन के किनारे छठ घाट होगा उस क्षेत्र में ट्रेन के चालकों को लगातार सीटी बजाते हुए ट्रेन चलाने को कहा गया है।

डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने आईएएनएस को जानकारी देते हुए बताया कि करीब 75 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को चलाया जाएगा। समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा जहां पर आरक्षण के लिए यात्रियों की ज्यादा भीड़ होने की संभावना है, वहां पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पीआरएस टिकट काउंटर खोले जाएंगे। अभी तीन-तीन अतिरिक्त काउंटर खोलने का प्रस्ताव है, जिसको आगे जरूरत के हिसाब से बढ़ाया जा सकता है।

डीआरएम ने बताया कि इसके अलावा रेलवे मंडल के रक्सौल, बापूधाम मोतिहारी, बेतिया, सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, जयनगर, सहरसा, बनमनखी तथा पूर्णिया कोर्ट, स्टेशनों पर अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोला जा रहा है। समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, जयनगर सीतामढ़ी, बापूधाम मोतिहारी बेतिया, रक्सौल तथा नरकटियागंज में अतिरिक्त यूटीएस काउंटर खोले जाएंगे।

रेलवे मंडल के 11 स्टेशनों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो 24 घंटे वहां पर भीड़ नियंत्रण के लिए नजर रखेंगे एवं इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। बुकिंग एवं पूछताछ तथा पीआरएस काउंटर के आसपास स्पेशल ट्रेनों के बारे में बैनर लगाकर प्रदर्शित किया गया है, जहां से यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध हो सके। मंडल के कंट्रोल रूम में वार रूम खोला जाएगा। जहां पर सभी विभागों के अधिकारी व सुपरवाइजर रहेंगे जो हर स्टेशन पर की जा रही व्यवस्था पर नजर रखेंगे एवं आवश्यकता अनुसार निर्देश देंगे।

डीआरएम ने बताया कि किसी भी अवस्था में अंतिम समय में गाडिय़ों के निर्धारित प्लेटफार्म बदले नहीं जाएंगे। अगर किसी इमरजेंसी में प्लेटफार्म बदलने की जरूरत पड़ी तो एक घंटा पहले ही अथवा पर्याप्त समय रहते इसे बदला जाएगा। यात्रियों को लगातार उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से सूचित किया जाएगा। एडीआरएम के बिना अनुमोदन के प्लेटफार्म का परिवर्तन नहीं किया जाएगा।

हिमाचल में बड़ा हादसा, 700 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, शादी से लौट रहे 5 युवकों की मौत

मंडी । आरएनएस

हिमाचल के मंडी जिला में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। मंडी की चौहारघाटी के वरधाण में एक कार गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार इस हादसे में कार में सवार 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में हुई है। जिनमें एक युवक करीब 16 साल और अन्य 4 की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच में बताई जा रही है। यह हादसा देर रात को हुआ। कार में सवार सभी युवक धमच्याण गांव के रहने वाले हैं। जो बरोट में शादी समारोह में गए थे। देर रात को वापस घर लौटते बार यह हादसा हो गया। हादसे का पता रविवार सुबह चला जब एक भेड़पालक ने सडक़ से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में गिरी कार देखी। उसने इसकी सूचना आसपास के ग्रामीणों को दी। पंचायत प्रतिनिधियों ने मौके पर पहुंच कर घटना की सूचना टिक्कन पुलिस चौकी को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर क्षत-विक्षत हालत में पड़े शवों को सडक़ मार्ग तक पहुंचाने के लिए स्थानीय लोगों की मदद से अभियान शुरू किया है। इस दु:खद हादसे से समूची चौहारघाटी में शोक की लहर छा गई है। पुलिस सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जोगिंद्रनगर भेज दिया है।

मणिपुर पड़ाव के दौरान अमूर फॉल्कन को किया जाएगा सैटेलाइट ट्रांसमीटर के साथ टैग

इम्फाल । आरएनएस

अगले महीने की शुरुआत में, भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में अमूर फाल्कन पक्षियों को सैटेलाइट ट्रांसमीटर से टैग करेंगे, ताकि इन प्रवासी पक्षियों के रास्तों का अध्ययन किया जा सके। यह जानकारी वन अधिकारियों ने दी है।

यह खूबसूरत पक्षी, जिन्हें मणिपुर में 'अखुआइपुइना' और नागालैंड में 'मोलुलम' के नाम से जाना जाता है, सालाना करीब 22,000 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं। ये पूर्वी एशिया से दक्षिण अफ्रीका तक की यात्रा करते हैं और फिर शरद ऋतु में वापस लौटते हैं।

फाल्कन परिवार से संबंधित ये छोटे पक्षी, जो आकार में कबूतर से थोड़े छोटे होते हैं, तामेंगलोंग के घने जंगलों वाले इलाके में बड़ी संख्या में पहुंचे हैं प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए मणिपुर के नोनी और तामेंगलोंग जिलों ने किसी भी तरह के शिकार, पकडऩे, मारने और बेचने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है।

ये जिले असम और नागालैंड से लगे हुए हैं, जो इन पक्षियों की आगे की यात्रा से पहले एक छोटा ठहराव स्थल भी होता है।

तामेंगलोंग के वन अधिकारी हिटलर सिंह ने बताया कि देहरादून स्थित डब्ल्यूआईई के वैज्ञानिक, डॉ सुरेश कुमार यूके से मंगवाए गए ट्रांसमीटर के साथ नवंबर के पहले सप्ताह में तामेंगलोंग पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक पहले कुछ अमूर फाल्कन चुनकर उनकी सेहत का निरीक्षण करेंगे और फिर सबसे स्वस्थ दो पक्षियों को ट्रांसमीटर से टैग करेंगे।

सिंह ने बताया कि जैसे ही टैग किए गए पक्षी उड़ान भरेंगे, उनके यात्रा मार्ग और उड़ान पैटर्न का अध्ययन किया जा सकेगा। ट्रांसमीटर एक साल तक काम करता है, जिससे इन पक्षियों की पूरी सालभर की यात्रा का रिकॉर्ड मिल सकेगा।

एक मादा बाज को 2018 में तमेंगलोंग में ट्रांसमीटर से टैग किया गया था। उसने लगातार पांच दिन और आठ घंटे उड़ान भरने के बाद 5,700 किलोमीटर की दूरी तय करके सोमालिया में लैंड किया था।

इस बीच, जिले के अधिकारियों और जानवर प्रेमियों के समूहों ने इन पक्षियों की सुरक्षा के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं।

वन अधिकारी हिटलर सिंह ने बताया, स्थानीय लोगों को प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए वन विभाग, स्थानीय क्लबों और पशु प्रेमियों के समूहों के समर्थन से, पहले की तरह नवंबर के पहले और दूसरे सप्ताह में अमूर फाल्कन महोत्सव का आयोजन करेगा।

तामेंगलोंग के पशु प्रेमियों का कहना है कि वन अधिकारियों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा अमूर फाल्कन की सुरक्षा के लिए बढ़ाई गई जागरूकता और सुरक्षा के प्रयासों के कारण उनके शिकार की घटनाओं में काफी कमी आई है।

एक पशु प्रेमी ने कहा, हमने अपने जिले में अमूर फाल्कन का स्वागत किया है। हमने देखा है कि कई बाज हमारे जिले में आजादी से उड़ रहे हैं।

राज्य में अमूर फाल्कन की जनसंख्या का पहला सर्वेक्षण पिछले वर्ष तामेंगलोंग के चुलुआन बांस के जंगल में किया गया था, जहां बराक नदी के किनारे 1,41,274 बाज पाए गए थे।

नागालैंड में, एक वन अधिकारी ने बताया कि ये राज्य भी इन पक्षियों के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां ये पक्षी शीतकाल में तीन से चार सप्ताह के लिए विश्राम और फिर से तरोताजा होने के लिए रुकते हैं। इन पक्षियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति का पर्यावरणीय महत्व है, क्योंकि ये प्राकृतिक रूप से कीटों की संख्या को नियंत्रित करने में भी मदद करते हैं।

अमूर बाज को 1972 के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत कानूनी संरक्षण दिया गया है। नागालैंड के अधिकारी ने कहा कि इन पक्षियों का शिकार करना या उनके मांस का कब्जा करना गंभीर अपराध है, जिसके चलने तीन साल तक की सजा भी हो सकती है।

अमूर फाल्कन और अन्य प्रवासी पक्षियों के संरक्षण से नागालैंड में पर्यटन को बढ़ावा मिला है।